मैं को मुझसे निकाल दो | By Keshav Kavish

जैसा रखना चाहो बाबा वैसा ही तुम राख लो
तुमसे ही मैं तुम बिन क्या मैं इस मैं को मुझसे निकाल दो

मोह माया मैं भटका हुआ मैं भटकता हुआ ही क्यूँ चला जाता हूँ
चाहु जो इस दलदल से निकलना मैं फिर क्यूँ धस्ता जाता हूँ
अज्ञानी मैं बाबा अपने ज्ञान से मुझको ढांप लो
तुमसे ही मैं तुम बिन क्या मैं इस मैं को मुझसे निकाल दो
मैं को मुझसे निकाल दो .....
जैसा रखना चाहो बाबा .....

दया दृष्टि जो तेरी हो हम पापी बाबा तर जाएँ
देदो अपनी भक्ति तो मैला मन भक्ति से निखर जाए
अपने नाम की जड़ी बूटी से विकार मेरे जो निकाल दो
तुमसे ही मैं तुम बिन क्या मैं इस मैं को मुझसे निकाल दो
मैं को मुझसे निकाल दो .....
जैसा रखना चाहो बाबा .....

मैं मैं करता फिरता हूँ मैं इस मैं को आपकी छाया दो
मैं से आप हो जाऊं मैं इस मैं को आप का साया दो
मैं मैं ना रहूं मेरे बाबा मैं को खुद में ढाल दो
तुमसे ही मैं तुम बिन क्या मैं इस मैं को मुझसे निकाल दो
मैं को मुझसे निकाल दो .....
जैसा रखना चाहो बाबा .....

सुख हो दुःख हो सुबह शाम तेरा नाम मैं बाबा जपता रहूं
कैसा भी हो जीवन तुझको याद मैं बाबा करता रहूं
पुष्प आपके लिखता रहूं कविश को ये वरदान दो
तुमसे ही मैं तुम बिन क्या मैं इस मैं को मुझसे निकाल दो
मैं को मुझसे निकाल दो .....
जैसा रखना चाहो बाबा .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%9d%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2-%e0%a4%a6%e0%a5%8b-by-keshav-kavish/